और उन्होंने बताया की Alsace और Lorraine के स्कूलों में केवल जर्मन भाषा को पढ़ाया जाएगा।

उन्होंने यह भी बताया कि कल से उन्हें जर्मन पढ़ाने के लिए नए शिक्षक आ जाएंगे। Franz यह सुनकर चौक गया और उसे यह पता चला कि आज सुबह इस आदेश के कारण ही सभी बुलिटिन बोर्ड पर सब लोग यह आदेश पढ़ रहे थे।

अब franz को बहुत दुख हो रहा था की है उसका फ्रांस की भाषा का आखिरी पाठ होने वाला है और वह अभी तक अपनी मातृभाषा को ना लिखना जानता है और ना ही पढ़ना जानता है इसी कारण वह गहरे विचारों में डूब जाता है। फिर उसने अतीत के बारे में सोचा जब उसने फ्रेंच को कोई महत्व नहीं दिया था । अब अपनी इतिहास और व्याकरण की पुस्तकें छोड़ देने का ख्याल उसे सताने लगा । क्योंकि अब M. Hamel दूर जा रहे थे इसलिए Franz ने उन्हें उनके सख्त तौर तरीके के लिए भी माफ कर दिया।

Franz, M Hamel के लिए बहुत दुखी महसूस कर रहा था। अब वह जानता था कि उसके शिक्षक ने आज यह विशेष कपड़े आखरी पाठ के सम्मान के लिए पहने हैं और सभी गांव वाले आज वहां उपस्थित थे उनको सम्मान देने के लिए।

Preview from Notesale.co.uk
Page 2 of 4

अब थोड़ी देर के बाद Franz की बारी थी कि वह Participles पर सवाल का जवाब दे। Franz चाहता था कि वह बिना रुके प्रश्न का उत्तर दे सके परंतु वह बीच में रुक गया और सिर झुका कर अपनी सीट पर खड़ा रहा।

और तभी M Hamel ने कहा कि आज वह उसे डांटने नहीं वाले हैं क्योंकि एम हेमल जानते थे कि Alsace के लोग आज का काम कल पर टाल देते हैं। और इसके लिए उन्होंने खुद को दोषी माना होगा।

उन्होंने कहा कि Prussia के लोग हमसे इस बारे में सवाल करेंगे कि हम खुद को फ्रेंच कैसे कह सकते हैं, जब हम अपनी भाषा को सही ढंग से बोल या लिख भी नहीं सकते ?